प्रकरण ७ सुरक्षा के दुय्यम संगठन

युद्धकाल में देश की भू-सीमाएँ, हवाई तथा सागरी सीमाओं की रक्षा करने के लिए थलसेना, वायुसेना और नौसेना होती हैं । ये शत्रु से मुकाबला करती हैं । इन्हें सीमा के मोर्चे पर लड़ने वाले सेनादल कहते हैं। इन सेनादलों की जिम्मेदारी के अलावा युद्धकाल में देश की आंतरिक सुरक्षा को सँभालकर सेनादलों की सहायता करने वाले दलों को सुरक्षा के दुय्यम सेनादल कहते हैं । ये सेनादल केंद्रीय गृहमंत्रालय तथा रक्षा मंत्रालय के नियंत्रण में होते हैं ।

सुरक्षा के दुय्यम सेनादल शांतिकाल, युद्धकाल तथा आंतरिक अशांति के काल में देशांतर्गत शस्त्रास्त्रों के कारखानों, बिजली आपूर्ति केंद्र, हवाई अड्डे, रेल स्थानक, पेट्रोल, खनिज तेल के संकलन स्थान तथा जल आपूर्ति करने वाले केंद्र बंदरगाह और महत्त्वपूर्ण स्थान आदि की रक्षा करना इनका काम है । इनके अतिरिक्त इनके निम्न कार्य हैं ।

दूसरे दर्जे के सेनादल के कार्य

- देश में सुव्यवस्था निर्माण करना ।
- नागरी प्रशासन को मदद कर स्थिरता को स्थायी बनाना ।
- समुद्री तटों की सुरक्षा करना ।
- युदधकाल में महत्त्वपूर्ण पुल, सड़के और महत्त्वपूर्ण स्थानों की सुरक्षा करना ।

सुरक्षा के दुय्यम सैन्यबल में अनेक सैन्यबलों का समावेश होता है । केंद्रीय गृहमंत्रालय के अधीन बलों को केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल कहा जाता है । इसमें प्रमुख रूप से सीमा सुरक्षा बल, इंडो-तिब्बत सीमा पुलिस बल और असम राइफल का समावेश होता है । तटसुरक्षा दल का समावेश भारतीय नौसेना के नियंत्रण में होता है ।

अ) सीमा सुरक्षा बल :

सीमा सुरक्षा बल की स्थापना १ दिसंबर १९६५ को हुई । इस सैन्यबल पर केंद्रीय गृह विभाग नियंत्रण रखता है । सीमा सुरक्षा बल के प्रमुख का पद 'महानिदेशक सीमा सुरक्षा बल' होता है । थलसेना की तरह इस सुरक्षा बल की भी अनेक शाखाएँ (बटालियन्स) होती हैं । सीमा सुरक्षा बल मुख्यतः शांतिकाल में भारत-पाकिस्तान और भारत-बांग्लादेश की सीमा सुरक्षा का काम करता है ।

कार्य :

१) शांति काल में देश की भू-सीमाओं की रक्षा करना ।

२) भारतीय सीमाओं को लाँघने का प्रयास करने वाले, घुसपैठियों तथा तस्करी करने वालों पर रोकथाम लगाना ।

३) कानून तथा सुव्यवस्था की दृष्टि से नागरी प्रशासन की सहायता करना ।

४) सीमा की दूसरी ओर से घुसपैठ करने वाले आतंकवादियों पर रोकथाम लगाना आदि ।

ब) भारत-तिब्बत सीमा पुलिस बल :

भारतीय उत्तरी सीमा की रक्षा के लिए भारत तिब्बत सीमा पुलिस बल की २४ अक्तूबर १९६२ को स्थापना की गई । यह सीमा पुलिस बल गृहमंत्रालय के नियंत्रण में काम करता है । इस दल के सैनिक काराकोरम पर्वत से जम्मू कश्मीर के लद्दाख, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के पर्वतीय प्रदेश में कार्य करते हैं ।

कार्य :

१) सीमा तथा सीमावर्ती प्रदेश की रक्षा करना ।

२) सीमा प्रदेश के चुने हुए प्रवेश मार्गों (दर्रों) पर पहरा देना ।

३) सीमा प्रदेश से गैर कानूनी प्रवेश करने वालों, गुनाहगारों तथा गैरकानूनी यातायात करने वालों पर कार्रवाई करना आदि ।

क) असम राइफल्स :

असम राइफल्स सबसे पुराना सैन्यदल है । इसकी स्थापना १८३५ में कच्चारलेव्ही के तहत की गई । पहले और दूसरे महायुद्ध में अच्छा कार्य करने हेतु इस सैन्यबल को गौरवान्वित किया गया । उसी समय से इस सैन्यदल को असम रायफल्स के नाम से जाना जाता है । शिलाँग में इस सैन्यदल का मुख्य कार्यालय है ।

कार्य :

१) भारत की पूर्व-उत्तरी सीमा की रक्षा करना ।

२) पूर्व-उत्तरी भारत के राज्यों की बगावत के बारे में प्रतिबंधात्मक कार्रवाई करना ।

३) नागरी असंतोष नियंत्रित करके नागरी प्रशासन की सहायता करना ।

४) पूर्व-उत्तरी राज्यों में कानून तथा सुव्यवस्था स्थापित करने के लिए सहायता करना आदि ।

ड) तट रक्षक दल : तट रक्षक दल सागरी सुरक्षा बनाए रखने वाली नौसेना मत्स्य व्यवसाय तथा महसूल मंत्रालय (कर संकलन विभाग) से जुड़ा हुआ बहुकर्मी सेनादल है । इस सेनादल का प्रारंभ १ फरवरी १९७७ में हुआ । इस स्थायी रूप के संगठन की स्थापना १९ अगस्त १९७८ में हुई । तट रक्षक दल प्रमुख का पद 'महानिदेशक तट रक्षक दल' होता है । इस दल का कारोबार रक्षा मंत्रालय के नियंत्रण में चलता है । तट रक्षक दल का मुख्य कार्यालय नई दिल्ली में है ।

कार्य :

(१) तट रक्षक दल का मुख्य कार्य भारत का लगभग बीस लाख वर्ग किमी सागरी क्षेत्र तथा लगभग ७००० किमी लंबाई वाले समुद्री तट की रक्षा करना है ।

(२) सागरी तस्करी तथा जासूसी का नियंत्रण करना ।

(३) भारतीय मत्स्य उत्पादन व्यवसाय का संरक्षण तथा सहायता करना ।

(४) भारत समुद्री तट पर तथा सागरी पर्यावरण का नियंत्रण करना ।

(५) सागरी संसाधन की रक्षा करना ।

(६) सागरी विज्ञान तथा अनुसंधान के लिए आवश्यक जानकारी का संकलन करना, आदि ।

उपक्रम

१. सीमा सुरक्षा बल एवं तट रक्षक दल के कार्यों में अंतर लिखिए ।

२. अद्‌र्ध सैनिक बल के सैनिक का साक्षात्कार लेकर निम्न मुद्‌दों के आधार पर लिखिए ।

अ) सैनिक का नाम तथा पद :

ब) वर्तमान कार्यालय

क) नियुक्ति काल

ड) अपेक्षित योग्यता

इ) सेना में क्यों भर्ती हुए

ई) सेवाकाल का उल्लेखनीय कार्य बताइए

ज) स्मरणीय प्रसंग

झ) युवकों को संदेश

३. भारत–तिब्बत सीमा पुलिस बल तथा असम राइफल्स के कार्यों में होने वाला अंतर लिखिए तथा मानचित्र में उनके कार्यक्षेत्र दिखाइए ।

४. भूमिका अभिनय : कक्षा के विद्‌यार्थियों के चार समूह बनाकर द्‌वितीय दर्जे के सेना दलों के कार्य की प्रस्तुति कीजिए ।

JC532Y

उपक्रम

भारत–तिब्बत सीमा पुलिस बल और आसाम रायफल्स का कार्यक्षेत्र भारत के मानचित्र में दिखाइए ।